क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 82, मंगलवार, 16 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

कांग्रेस-आप गठबंधन के खुले दरवाजे, राहुल गांधी ने केजरीवाल को ऑफर की 4 सीटें

नेशनल डेस्क। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रसे में गठबंधन को लेकर सस्पेंस खत्म हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने आप को 4 सीटें देने की पेशकश कर दी है। राहुल गांधी ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी ने सोमवार शाम को ट्वीट कर कहा है कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी को 4 सीटें देने को तैयार है। अगर आप से गठबंधन हो गया तो बीजेपी को बुरी तरह हराया जा सकता है लेकिन केजरीवाल ने यू टर्न ले लिया। उन्होंने लिखा कि हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं लेकिन वक्त तेजी से गुजर रहा है। वही रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी गठबंधन के संकेत दिए थे। केजरीवाल ने कहा था कि भाजपा को हराने के लिए वह कुछ भी करने को तैयार हैं। बता दें कि पिछले कुछ समय से कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन को लेकर कयास लगाए जा रहे थे लेकिन दोनों दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई थी

जया पर आजम की टिप्पणी द्रौपदी के 'चीरहरण' जैसी: सुषमा

नयी दिल्ली । विदेश मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज ने उत्तर प्रदेश के रामपुर से पार्टी की उम्मीदवार जया प्रदा पर समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान की शर्मनाक टिप्पणी की सोमवार को कड़ी निंदा करते हुए इसकी तुलना महाभारत में पांडवों की रानी द्रौपदी के चीरहरण से की। स्वराज ने सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का ध्यान आकर्षित कराते हुए ट्वीट किया, मुलायम भाई, आप समाजवादी पार्टी के पितामह हैं। रामपुर की द्रौपदी का आपके सामने चीरहरण हो रहा है। आप भी भीष्म की तरह मौन रहने की गलती न करें। उन्होंने यह संदेश सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव और पार्टी की वरिष्ठ नेता जया बच्चन को भी टैग किया है। गौरतलब है कि आजम खान ने रविवार को जनसभा के दौरान जयाप्रदा का नाम लिए बगैर उन पर अभद्र और विवादित टिप्पणी की थी। बाद में विवाद बढ़ने पर हालांकि उन्होंने कहा, मैंने किसी का नाम नहीं लिया है। मैं जानता हूं कि मुझे क्या कहना चाहिए। अगर कोई साबित कर देता है कि मैंने कहीं, किसी का नाम लिया है, किसी का अपमान किया है, तो मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा।

शरद पवार के बयान पर पर्रिकर के बेटे ने जताया दुख, राजनैतिक लाभ के लिए मेरे पिता का नाम लिया गया

पणजी । पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल ने अपने पिता के संबंध में राकांपा प्रमुख शरद पवार की टिप्पणी को सोमवार को असंवेदनशील करार दिया. पवार ने कहा था कि दिवंगत नेता राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर सहमत नहीं थे. इसलिए वह रक्षा मंत्री का पद छोड़कर गोवा लौट आए थे. यहां जारी एक बयान में उत्पल ने कहा कि पवार की टिप्पणी पढ़कर पर्रिकर परिवार को पीड़ा पहुंची है. उन्होंने कहा, ''राजनीतिक लाभ के लिए झूठ फैलाने के वास्ते मेरे पिता का नाम उछालने की यह एक और दुर्भाग्यपूर्ण तथा असंवेदनशील कोशिश है.'' गौरतलब है कि शनिवार को कोल्हापुर में पत्रकारों से पवार ने कहा था, '' पर्रिकर को राफेल सौदा मंजूर नहीं था. इसलिए उन्होंने रक्षा मंत्री का पद छोड़ दिया था और गोवा लौट गए थे.'' पर्रिकर नवंबर 2014 में रक्षा मंत्री बने थे, लेकिन वह 2017 में गोवा की राजनीति में लौट आए थे ।

इस साल सामान्य रहेगा मानसून, 4 महीने में होगी 96 प्रतिशत बारिश: मौसम विभाग

नई दिल्ली। देश में इस साल मानसून सामान्य रहने का अनुमान है और मानसून के चार महीने के दौरान दीर्घावधि औसत की 96 प्रतिशत बारिश होगी। मौसम विभाग ने सोमवार को इस साल के दक्षिण-पश्चिम मानसून का पहला पूर्वानुमान जारी किया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. राजीवन और भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. के. जे. रमेश ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस साल मानसून के दौरान जून से सितंबर तक वर्षा लगभग सामान्य रहने का अनुमान है। दीर्घावधि औसत का 96 प्रतिशत बारिश होने का पूर्वानुमान है। वर्ष 1951 से 2000 तक मानसून के दौरान देश में औसत बारिश 890 मिलीमीटर है। उन्होंने बताया कि इस साल मानसून के दौरान अलनीनो की स्थितियां कमजोर रहने तथा मानसून के अंतिम दो महीनों में इसकी तीव्रता कम रहने के आसार हैं। इस बार मानसूनी बारिश का वितरण भी अच्छा रहेगा जो आगामी खरीफ मौसम की फसलों के लिए लाभकारी होगा। इस बार मानसूनी बारिश का वितरण भी अच्छा रहेगा जो आगामी खरीफ मौसम की फसलों के लिए लाभकारी होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट ने इस साल मानसून के दौरान दीर्घावधि औसत का 93 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान जारी किया था। पिछले साल देश में दीर्घावधि औसत की 91 प्रतिशत बारिश हुई थी। मानसून का दूसरा पूर्वानुमान जून के पहले सप्ताह में जारी किया जाएगा।

13 दलों की कमान इस बार नई पीढ़ी के हाथ, पुरानी सियासी लीक से अलग ले रहे हैं फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पांच साल पहले 2014 के चुनाव में देश ने 3-डी तकनीक से प्रचार, सोशल मीडिया पर एजेंडो का वॉर और सियासी उलटफेर के बीच मोदी का करिश्माई उभार देखा और अब 2019 की सियासी जंग भी चरम पर आ पहुंची है. एक चरण का चुनाव हो चुका है और बाकी के 6 चरणों का दांव जीतने के लिए तमाम दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. चुनाव के नतीजे तो 23 मई को आएंगे लेकिन हर दौर का रण फतह करने के लिए पार्टियां एक तरफ जहां सोशल मीडिया से लेकर रैलियों-जनसभाओं में दम दिखा रही हैं तो वहीं दूसरी ओर नारों और बयानों के तीर एक-दूसरे पर पूरी ताकत से छोड़ रही हैं. इस बहुदलीय लड़ाई में लीक से हटकर कई सियासी फैसले होते भी दिख रहे हैं. जिन दलों के साथ आने को लेकर हाल के वर्षों तक कोई सोच भी नहीं सकता था वो साथ आ रहे हैं. पुरानी अदावतों को भुलाकर नए तरह के गठबंधन बन रहे हैं. वादे और घोषणापत्र नए तरह के सामने आ रहे हैं. इस बदली हुई सियासत की ताबीर लिख रही है सियासत की नई पीढ़ी जो 2014 के बाद पूरी तरह से प्रभाव में आई है. सत्तारूढ़ बीजेपी में जहां मोदी-शाह की जोड़ी छाई हुई है तो वहीं कई दलों ने हाल के दिनों में बड़े बदलाव देखे हैं. 13 ऐसे प्रमुख दल हैं जिनकी कमान नई पीढ़ी के हाथों में आ गई है और ये युवा पीढ़ी पुरानी सियासी लीक से हटकर लगातार फैसले ले रही है. सबसे पहले बात देश की सबसे पुरानी पार्टी और सबसे नई कमान की. 2014 के चुनाव में जब कांग्रेस उतरी थी तो डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और सोनिया गांधी पार्टी अध्यक्ष. 16 दिसंबर 2017 को राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बने और 23 जनवरी 2019 को राहुल ने अपनी बहन प्रियंका गांधी को पार्टी का महासचिव बनाया. राहुल के कई चौंकाने वाले फैसले संकेत दे रहे हैं कि उनकी अगुवाई में कांग्रेस नई लीक पर है. कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी लेकिन बहुमत से थोड़ा पीछे थी. जिस कांग्रेस को कभी गोवा और मणिपुर में सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद भी सत्ता नहीं मिली वही कांग्रेस कर्नाटक में तुरंत बड़ा फैसला लेती है और कम सीटों वाली जेडीएस के नेता एच. डी. कुमारस्वामी को सीएम बनाकर बीजेपी को सत्ता में आने से रोक देती है।

कांग्रेस के जेहन में बैठ गया है हार का डर: शाह

कोडीनार (एजेंसी) ।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने आज कहा कि जेहन में हार का डर बैठ जाने के कारण कांग्रेस अभी से इवीएम का बहाना बनाने लगी है। शाह ने गुजरात के कोडीनार में आज एक चुनावी सभा में कहा कि अभी एक चरण का चुनाव ही हुआ है तभी से कांग्रेस इवीएम का बहाना बनाने लगी है। वह हार को पहचान गई है और इसीलिए कह रही है कि भाजपा इवीएम के चलते जीतेगी। तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में भी इवीएम का इस्तेमाल हुआ था और कांग्रेस वहां जीती थी। अगर इवीएम में गड़बड़ी है तो कांग्रेस ने वहां अपनी सरकारों को शपथ क्यों दिलाई। जहां वह जीत जाए वहां तो इवीएम अच्छे हैं पर जब हार हो तो इवीएम बुरे हो जाते हैं। शाह ने कहा कि कांग्रेस को पता नहीं चल पा रहा कि इसे क्या करना चाहिए। यह झूठ बोलने और जोर से बोलने का काम कर रही है। अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट के राफेल संबंधी एक निर्णय के बारे में पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने यह कहना शुरू कर दिया कि अदालत ने सरकार को फटकार लगाई है। हकीकत में यह बात थी ही नहीं। अदालत ने केवल एक प्राथमिक आपत्ति को तकनीकी रूप से दूर भर किया था। आज हमारी महिला सांसद मीनाक्षी लेखी जी ने अदालत में यह मामला उठाया और अदालत ने राहुल को नोटिस देकर उनसे स्पष्टीकरण और जवाब तलब किया है। शाह ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में आतंकी कैंप पर वायु सेना की कार्रवाई के बाद जब पूरे देश में जश्न का माहौल था तब कांग्रेस कार्यालय में पाकिस्तान जैसा मातम का माहौल था। इसके एक वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा चार पांच आतंकियों की पुलवामा में कार्रवाई के लिए पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं करने की वकालत कर रहे थे। शाह ने नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के कश्मीर के लिए ।

सरकारी ताकत का दुरुपयोग कर रही है भाजपा: मायावती

अलीगढ़ (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने भाजपा पर मौजूदा लोकसभा चुनावों में अपने राजनीतिक हित साधने के लिए सरकारी ताकत का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। मायावती ने यहां एक चुनावी जनसभा में आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा लोकसभा चुनाव जीतने के लिए अपनी ताकत का दुरुपयोग कर रही है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर हमले के लिए सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की मदद ले रहे हैं। यह एक खतरनाक चलन है। साथ ही यह मोदी द्वारा अपनायी जा रही निचले दर्जे की सियासत की एक और मिसाल है। मायावती ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश में जगह-जगह दिए जा रहे भाषण देश में राजनीति का एक नया रसातल दिखा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रवाद को मिथ्याप्रचार करार देते हुए उन्होंने कहा कि मोदी दावा करते हैं कि देश की सीमाएं पहले कभी इतनी सुरक्षित नहीं थीं, जितनी कि आज हैं, मगर सच्चाई यह है कि देश की सरहदों की हालत किसी से छुपी नहीं है। मायावती ने दावा किया कि पिछले पांच साल के दौरान देश में अल्पसंख्यकों और हाशिये पर खड़े लोगों की हालत बद से बदतर हुई है। बसपा प्रमुख ने कांग्रेस को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि यह पार्टी भी भाजपा के जैसी ही नीतियों का पालन करती है। ये दोनों ही पार्टियां मुसलमानों और दलितों की कीमत पर धन्नासेठों के हितों को तरजीह देती हैं। बसपा के गठबंधन के सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के नेता चौधरी अजित सिंह ने इस मौके पर आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में विभिन्न लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति तेजी से खराब हुई है। अगर भाजपा एक बार फिर सत्ता में आई तो लोगों से वोट करने का अधिकार छीन लिया जाएगा। अगर भाजपा एक बार फिर सत्ता में आई तो लोगों से वोट करने का अधिकार छीन लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की लोकतंत्र में कोई आस्था नहीं है।

जोशी ने चुनाव आयोग से की फर्जी पत्र की जांच कराने की मांग

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने सोशल मीडिया पर अपने नाम से जारी फर्जी पत्र की जांच कराने की मांग की है जिसमें वह अपने पार्टी नेतृत्व और लोकसभा चुनाव में पार्टी की जीत की संभावनाओं पर प्रश्न चिह्न खड़े करते दिख रहे हैं। फर्जी पत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को संबोधित है जो पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर चल रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जांच किए जाने की मांग करते हुए जोशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा को पत्र लिखा है कि उन्होंने ऐसी कोई चिट्ठी जारी नहीं की। जोशी ने कहा, ''मीडिया के मेरे मित्रों ने मुझे फोन किया और बताया कि कल से ही मेरे द्वारा लालकृष्ण आडवाणी को लिखा गया पत्र सोशल मीडिया पर चल रहा है। मैंने इसकी विषय वस्तु पढ़ी है और उन्हें मैं इस पत्र के साथ भेज रहा हूं। मैंने आडवाणी जी को इस तरह का कोई पत्र नहीं भेजा है।

प्रियंका गांधी वाड्रा की अटकी जबान, बोलीं- अस्पतालों में मिलेगा मुफ्त स्वास्थ्य

फतेहपुरी सीकरी।(एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव 2019 के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस लगातार सियासी माहौल तैयार करने में जुटी है. इसी क्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को फतेहपुर सीकरी में एक रैली को संबोधित किया. इस दौरान कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी वाड्रा से भाषण देते समय एक चूक हो गई. प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में ऐसी योजनाएं हैं, जिसमें आपको अस्पतालों में मुफ्त स्वास्थ्य मिलेगा. उन्हें तुरंत अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने इसे सही करते हुए कहा कि स्वास्थ्य नहीं, स्वास्थ्य की जांच और इलाज मुफ्त मिलेगा. इसके साथ ही भाजपा पर निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि वे (भाजपा) लोग खुद को राष्ट्रवादी कहते हैं, अगर राष्ट्रवादी हैं, तो देश के सारे शहीदों का सम्मान कीजिए. अगर राष्ट्रवादी हैं, तो चुनाव के वक्त पाकिस्तान की नहीं, हिंदुस्तान की बात करिए. इस रैली को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी संबोधित किया. बता दें कि फतेहपुर सीकरी से कांग्रेस ने राज बब्बर को टिकट दिया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा को हिन्दुस्तान युवा, किसान और जवान की बात करनी चाहिये. उन्हें बताना चाहिये कि आप उनके लिये क्या करने जा रहे हैं. महिलाओं को बताएं कि आप उनके लिये क्या करने जा रहे है. किसानों के लिये क्या योजनाएं बनाईं. उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि इस सरकार को न लोकतंत्र पर गर्व है, न हमारी संस्थाओं पर गर्व है, न हमारी जनता पर गर्व है क्योंकि अगर यह असली राष्ट्रवादी होते तो यह सत्य का मार्ग पकड़ते क्योंकि यह देश सत्य पर आधारित है और जो सत्य के मार्ग से भटक जाता उसे देश नही बख्शता. कांग्रेस महासचिव ने कहा कि जब छात्रों, किसानों, अध्यापकों या समाज के किसी भी तबके ने अपना हक और अधिकार की मांग की तो उन्हें पीटा गया. उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए. उन्होंने देशद्रोही बता दिया गया. सवाल पूछने वाले को देशद्रोही बता दिया गया है. कांग्रेस महासचिव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार आई तो हम कई बड़ी योजनाओं को लेकर आएंगे, जिससे जनता को फायदा होगा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा आपके हित में काम किया है, ।

आपको बचाया है. प्रियंका गांधी ने कहा आज हम बताने आए हैं कि हम जनता के लिए क्या करेंगे, जब सरकार करोड़ों रुपये अमीरों उद्योगपतियों को दे सकती है जब सरकार करोड़ों रुपये अमीरों उद्योगपतियों को दे सकती है तो हम गरीबों को 72000 रुपये क्यों नहीं दे सकते. हम स्वास्थ्य, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में काम करना चाहते हैं।

राफेल समय पर मिल जाता तो बालाकोट हमले का नतीजा कहीं ज्यादा होता: वायुसेना प्रमुख

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

वायुसेना प्रमुख बी एस धनोआ ने सोमवार को कहा कि यदि समय पर राफेल लड़ाकू विमान मिल जाते तो बालाकोट हवाई हमलों में परिणाम देश के पक्ष में कहीं ज्यादा होते। उन्होंने कहा कि बालाकोट हवाई हमलों में तकनीक भारत के पक्ष में थी। धनोआ भविष्य की एयरोस्पेस शक्ति और प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बालाकोट अभियान में, हमारे पास प्रौद्योगिकी थी और हम बड़ी सटीकता के साथ हथियारों का इस्तेमाल कर सके। बाद में हम बेहतर हुए है क्योंकि हमने अपने मिग -21, बिसॉन और मिराज-2000 विमानों को उन्नत बनाया था। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यदि हमने समय पर राफेल विमान को शामिल कर लिया होता तो परिणाम हमारे पक्ष में और अधिक हो जाते। बता दें कि भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी को सीमापार पाकिस्तान स्थित बालाकोट में आतंकी गुट जैश ए मोहम्मद के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी, जिसमें बड़ी संख्या में आतंकवादी, प्रशिक्षक, शीर्ष कमांडर और जिहादी मारे गए थे। यह कार्रवाई जम्मू कश्मीर के पुलवामा में 14 फरवरी को आतंकी गुट जैश ए मोहम्मद द्वारा किए गए आत्मघाती हमले के ठीक 12 दिन बाद की गई है।

बदजुबान आजम खान ने मीडिया से की बदसलूकी, कहा- आपके बाप के जनाजे में आया था

भोपाल (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की रामपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार आजम खान ने अभिनेत्री जयाप्रदा पर अमर्यादित टिप्पणी के बाद मीडिया को लेकर विवादित बयान दिया है। दरअसल,आजम खान विदिशा के निवासी और उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के पूर्व सांसद चौधरी मुनव्वर सलीम के जनाजे में शामिल होने आए थे। जब मीडिया ने उनके खिलाफ चुनाव लड़ रही जयाप्रदा पर अमर्यादित टिप्पणी के बारे में जब आजम खान से सवाल किया तो वे भड़क उठे और तल्ख में आकर मीडिया को कहा कि आपके वालिद की मौत हुई है जिसके जनाजे में मैं आया था। इतना कहकर वे पार्टी समर्थकों के साथ मीडिया से बचते हुए गाड़ी में निकल गए। बता दें, आजम खान ने अपने लोकसभा क्षेत्र की एक आम सभा में अभिनेत्री और रामपुर लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार जयाप्रदा पर अमर्यादित टिप्पणी की थी। जिसके बाद उनकी खूब किरकिरी हो रही है। आजम खान यह बखूबी समझ रहे थे कि उन्हें बयान देने से बचना है। ऐसे में उन्होंने मीडिया पर ही तल्ख टिप्पणी कर दी कि %मैं आपके वालिद की मौत में आया हूं।

वहीं, एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने आजम खान के जयाप्रदा पर दिए आपत्तिजनक बयान पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस देश में महिला, बेटियों का सम्मान होता है। ऐसे में देश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

संपादकीय

गरीबी का जीव विज्ञान

गरीब गरीब क्यों होता है और अमीर अमीर क्यों होता है? यह ऐसा सवाल है, जिससे हम सदियों से जूझते आ रहे हैं। हमारे बहुत प्राचीन साहित्य में भी राजा से रंक तक और कृष्ण से लेकर सुदामा तक की आर्थिक असमानता बहुत साफ दिखती है। एक दौर तक इसे या तो किस्मत का खेल माना जाता था या कर्मों का फल या फिर ईश्वरीय इच्छा। बाद के दौर में इसे शिक्षा, योग्यता और क्षेत्र वगैरह से जोड़कर देखा जाने लगा। फिर एक अवधारणा यह आई कि हमारी अर्थव्यवस्था ही ऐसी बनी और बुनी गई है कि वह कुछ लोगों को गरीब बनाती है और कुछ को अमीर। इसे लेकर शोषण के सिद्धांत बने तो मदद की नैतिकताएं भी। आज के दौर में यह आर्थिक सिद्धांत ही ज्यादा प्रचलित है, कम से कम यह सोच तो मान्य है कि अर्थव्यवस्था में बदलाव करके गरीबी को कम किया जा सकता है। हालांकि अभी भी सभी इसके आर्थिक सिद्धांतों को नहीं मानते। वे ये सवाल भी उठाते हैं कि अगर ऐसा है, तो एक ही शिक्षा-दीक्षा और पृष्ठभूमि वाले दो लोगों की आर्थिक स्थिति कई बार अलग-अलग क्यों होती है? ऐसा सोचने वालों में कुछ जेनेटिक वैज्ञानिक भी जुड़ गए हैं। इसे लेकर जो शोध हो रहे हैं, उससे तमाम नए विवाद खड़े हो गए हैं। ब्रिटेन में लोगों के जींस के विस्तृत अध्ययन के लिए एक सार्वजनिक डाटाबेस तैयार किया गया है, जिसे यूके बायोबैंक कहा जाता है। इसमें आठ लाख से भी अधिक लोगों के जींस का विस्तृत ब्योरा दर्ज है। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के डेविड हिल और उनके सहयोगियों ने अब इसमें लोगों की आर्थिक स्थिति की जानकारी भी जोड़नी शुरू कर दी है। उन्होंने जब यह जानकारी मांगी, तो इस बायोबैंक का हिस्सा बने 2,86,000 लोगों ने अपनी आर्थिक स्थिति की जानकारी उन्हें भेज भी दी। डेविड हिल यह जानना चाहते हैं कि क्या व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में उसके जींस भी कोई भूमिका निभाते हैं? दूसरे शब्दों में, व्यक्ति का गरीब या अमीर होना क्या उसके जींस से तय होता है? हालांकि शुरुआती शोध ने तो बताया है कि व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में 92.6 फीसदी भूमिका गैर-जेनेटिक कारकों की होती है। लेकिन इन गैर-जेनेटिक कारकों में शिक्षा, प्रतिभा और बुद्धिमत्ता भी आते हैं। अब ये तीनों चीजे ऐसी हैं, जिन्हें जींस से जोड़कर देखा जाता है। माना जा रहा है कि वैज्ञानिक जैसे-जैसे मामले की जटिलता में जाएंगे, वे ऐसे जींस खोज ही डालेंगे जो परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति से जुड़ होते हैं। यह हुआ, तो इसके खतरे इससे मिले ज्ञान से कहीं ज्यादा बड़े और काफी खतरनाक भी हो सकते हैं- बहुत सारे समाजशास्त्री तो यही मानते हैं। एक तो इससे हम फिर से उसी युग में पहुंच जाएंगे, जब किसी की गरीबी के लिए उसकी मेहनत, शिक्षा और अर्थव्यवस्था की कोई भूमिका नहीं मानी जाती थी और सारा दोष किस्मत पर मढ़ा जाता था। ऐसा हुआ, तो यह भेदभाव का एक नया पैमाना बन जाएगा। नौकरी, कारोबार व रिश्ते के लिए ऐसे ही लोगों को पसंद किया जाएगा, जिनके पास वे कथित जींस हैं। अनेक वैज्ञानिक इन आशंकाओं से इनकार नहीं करते, पर वे मानते हैं कि जींस और आर्थिक स्थिति को जोड़ा जा सकता है, इसलिए कभी न कभी जोड़ ही दिया जाएगा। कोई नहीं जानता कि ऐसे में गरीबी खत्म करने के सवाल का क्या होगा।

सरकारी स्कूलों में विश्वास बहाली की पहल

क्षमा शर्मा

हरियाणा के फतेहाबाद के गांव ढाणी ढाका-ईस्सर के लोगों ने फैसला किया है कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाएंगे। उन्होंने तय किया है कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजेंगे, निजी स्कूलों में नहीं। यहां के लोगों ने पंचायत बुलाकर भी इस निर्णय पर पंचायत की मोहर लगवाई। उनका कहना है कि निजी स्कूल मोटी फीस वसूलते हैं, तो क्यों न गांव के स्कूल को ही ठीक करा लिया जाए। इन स्कूलों में भी निजी स्कूलों की तरह सुविधाएं हों। वे इन स्कूलों की निगरानी भी करेंगे। गांव के सरकारी स्कूल में एडमिशन के उत्सव का भी आयोजन किया गया। इसमें फतेहाबाद की अतिरिक्त जिला उपायुक्त सुभीता ढाका मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान से हरियाणा के अन्य लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों को प्रशासन की तरफ से पूरी मदद मिलेगी। इस तरह की पहल को शिक्षा विभाग बहुत महत्वपूर्ण मान रहा है। इस उत्सव में बारह अन्य गांवों की पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि वे अपने गांवों में भी इस तरह की पहल करेंगे। क्योंकि एडमिशन शुरू हो चुके हैं, इसलिए गांव के सवा तीन सौ बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में कराया गया। पहले ढाका ईस्सर के सरकारी स्कूल में सिर्फ छियालीस बच्चे पढ़ते थे। यहां छह नए अध्यापक भी नियुक्त किए गए हैं। सचमुच इस तरह की पहल पूरे देश में की जानी चाहिए। सरकारी स्कूलों पर नजर डालें तो उनके पास इमारतें हैं, बहुत से योग्य अध्यापक भी हैं, मगर अक्सर वहां की पढ़ाई के स्तर की शिकायतें की जाती हैं। कई जगह से ऐसी खबरें आती रहती हैं कि अध्यापक अपने काम को कम पैसे में किसी दूसरे को सौंप देते हैं और कभी स्कूल में दिखाई ही नहीं देते। अध्यापक होने के बावजूद बच्चे उन्हें पहचान नहीं सकते। कई स्कूलों में बच्चे ज्यादा होते हैं और अध्यापक कम। एक स्कूल में तो सभी क्लास के बच्चों को पढ़ाने के लिए एक ही अध्यापक था। बहुत सी जगहों पर स्कूल की इमारत इतनी खस्ताहाल है कि पेड़ के नीचे स्कूल लगाना पड़ता है। ऐसे ही न जाने कितने कारण हैं कि निजी स्कूलों के मुकाबले सरकारी स्कूलों को अच्छा नहीं माना जाता। जबकि सरकारी स्कूलों में फीस भी बहुत कम है, फिर भी यहां बच्चों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। अरसे से यह धारणा बनी है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई ठीक से नहीं होती, इसलिए गांवों तक के आसपास ढेर सारे निजी स्कूल खुल गए हैं। माता-पिता भी समझते हैं कि इन स्कूलों में पढ़ाने से उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सकती है। इस शिक्षा के बल पर अच्छी नौकरियां मिल सकती हैं और उनका भविष्य सुधर सकता है। लेकिन देखा गया है कि मोटी फीस के बावजूद बहुत से निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को ठीक से नौकरी नहीं मिलती। बड़े संस्थानों में उनके सीवी को देखा तक नहीं जाता। आखिर जब सरकारी स्कूलों और उनके संसाधनों पर सरकार अच्छा-खासा पैसा खर्च करती है, अध्यापकों के वेतनमान बहुत अच्छे हैं, तो क्यों लोगों का विश्वास इन स्कूलों पर घट रहा है। पिछले दिनों दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में जाना हुआ। पहले के मुकाबले इन स्कूलों के हालात अब बहुत सुधर गए हैं। यहां न केवल बच्चों की पढ़ाई बल्कि उनके पानी, शौचालय, खेलकूद की गतिविधियों का भी ठीक से इंतजाम है। हाल ही में एक खबर यह भी छपी थी कि दिल्ली सरकार ने इस साल कुल बजट का छब्बीस प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करने का फैसला किया है। सोचने की बात यह है कि जब दिल्ली सरकार ऐसा कर सकती है तो बाकी की सरकारें सरकारी शिक्षा पर क्यों अधिक खर्च नहीं करतीं। ऐसा भी नहीं है कि सरकारी स्कूल हमेशा से ऐसे रहे हैं। एक समय में उनमें खूब पढ़ाई होती थी। इन्हीं में पढ़े बच्चे जीवन में बहुत कुछ अच्छा करते थे। बड़े-बड़े पदों पर पहुंचते थे। लेकिन जब से शिक्षा का व्यापार बढ़ा, तब से सरकारी स्कूलों में होने वाली पढ़ाई को बुरा और निजी स्कूलों में अच्छी पढ़ाई बताया जाने लगा। यह कुछ हद तक सही भी था। ऐसी भी बातें सामने आई हैं कि किसी आईएएस अधिकारी ने अपनी बेटी को आंगनबाड़ी में दाखिल कराया है, किसी आईपीएस ने अपने बच्चे को सरकारी स्कूल में एडमिशन दिलाया है। अधिकारियों के ऐसे निर्णयों से बाकी और लोगों को भी प्रेरणा मिलती है। लेकिन यह भी सच है कि सरकारी स्कूलों की देश भर में बेहद दुर्दशा है। कई बार गांव जाती हूं तो वहां के स्कूल की हालत पिछले पचास वर्षों से जस की तस है। रास्ते में बदरंग, टूटे-फूटे कई सरकारी स्कूल दिखाई देते हैं। जिन स्कूलों में पढ़कर बच्चे कल के नागरिक बनेंगे, रोजगारशुदा होकर देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने में योगदान देंगे, आखिर उनकी स्थिति इतनी दयनीय क्यों हो। इसके अलावा एक ओर केंद्रीय विद्यालयों के बच्चे इतना अच्छा करते हैं कि निजी स्कूलों को भी पीछे छोड़ देते हैं, तो दूसरे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे ऐसा क्यों नहीं कर सकते। हालांकि यह भी सच है कि केंद्रीय विद्यालयों में सब बच्चों को एडमिशन नहीं मिलता। आमतौर पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों के पढ़ने के लिए ही ये स्कूल होते हैं। यदि इन विद्यालयों की इमारत से लेकर बाकी सुविधाएं इतनी अच्छी की जा सकती हैं तो दूसरे सरकारी स्कूलों को भी सुधारा ही जा सकता है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को इस तरह से क्यों देखा जाए कि उनमें पढ़ने वाले बच्चे गरीब होते हैं, वे कहीं और नहीं पढ़ सकते, इसलिए इनमें पढ़ते हैं। अगर यह सच भी है, तो गरीबों और साधनहीनों को भी पढ़ने और जिंदगी में कुछ करने का उतना ही अधिकार है जितना किसी और को। बल्कि जिनके पास साधन हैं, वे तो उनके बल पर जिंदगी में कुछ न कुछ कर ही लेंगे। असली बात तो उस बच्चे की हालत को सुधारना है, जिसके पास साधन नहीं हैं, मगर वह भी कुछ करना और बनना चाहता है। उसके माता-पिता भी यही चाहते हैं। लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं

ट्वीट

ऑफसेट

बीजेपी दो बातें कभी नहीं बताएगी- मंदिर की डेट और राफेल की रेट- टीवी पर किसी ने कहा था। इसमें यह बात भी जोड़ लीजिए- कैसे चुना ऑफसेट। क्योंकि रफाल का असल घपला अंबानी नाम की तोप है, वरना रक्षा सौदों में बिचौलिए और दलाली तो आम है। सवाल बस यही है, इस अंगने में अंबानी का क्या काम है?

प्रियदर्शन, वरिष्ठ पत्रकार

ज्ञान गंगा

आत्मा परमात्मा

श्रीराम शर्मा आचार्य/ प्रत्येक कर्म का कोई अधिष्ठाता जरूर होता है। परिवार के वयोवृद्ध मुखिया के हाथ सारी गृहस्थी का नियंत्रणहोता है, मिलों-कारखानों की देखरेख के लिए मैनेजर होते हैं, राज्यपाल-प्रांत के शासन की बागडोर संभालते हैं, राष्ट्रपति सम्पूर्ण राष्ट्र का स्वामी होता है। जिसके हाथ में जैसी विधि-व्यवस्था होती है उसी के अनुरूप उसे अधिकार भी मिले होते हैं। अपराधियों को दण्ड व्यवस्था, सम्पूर्ण प्रजा के पालन-पोषण और न्याय के लिए उन्हें उसी अनुपात से वैधानिक या सैद्धांतिक अधिकार प्राप्त होते हैं। अधिकार न दिए जाएं तो लोग स्वेच्छाचारिता, छल-कपट और निर्दयता का व्यवहार करने लगें। न्याय व्यवस्था के लिए शक्ति और सतावान होना उपयोगी ही नहीं आवश्यक भी है। इतना बड़ा संसार एक निश्चित व्यवस्था पर ठीक-ठिकाने चल रहा है, सूरज प्रतिदिन ठीक समय से निकल आता है, चंद्रमा की क्या औकात, जो अपनी माहवारी ड्यूटी में रत्ती भर फर्क डाल दे, ऋतुएं अपना समय आते ही आती और लौट जाती हैं, आम का बौर बसन्त में ही आता है, टेसू गर्मी में ही फूलते हैं, वष तभी होती है जब समुद्र से मानसून बनता है। सारी प्रकृति, सम्पूर्ण संसार ठीक व्यवस्था से चल रहा है, जो जरा सा इधर उधर हुए कि उसने मार खाई। जीवन-क्रम में थोड़ी भूल हुई कि रोग-शोक, बीमारी और अकाल-मृत्यु ने झपट्टा मारा। इतने बड़े संसार का नियामक परमात्मा सचमुच बड़ा शक्तिशाली है। सतावान न होता हो कौन उसकी बात सुनता? दण्ड देने में उसने चूक की होती तो अनियमितता, अस्त व्यस्तता और अव्यवस्था ही रही होती। उसकी सृष्टि से कोई भी छुपकर पाप और अत्याचार नहीं कर सकता। बड़ा कठोर है वह, दुष्ट को कभी क्षमा नहीं करता। इसलिए वेद ने आग्रह किया है-हे मनुष्यों ! बर्फ से आच्छादित पहाड़, नदियां, समुद्र जिसकी महिमा का गुणगान करते हैं। दिशाएं जिसकी भुजायें हैं, हम उस विराट् विश्व पुरु ष परमात्मा को कभी न भूलें। गीता के ''येन सर्वविदं ततम' अर्थात ''यह जो कुछ है परमात्मा से व्याप्त है' की विशद व्याख्या करते हुए योगीराज अरविंद ने लिखा है-''यह सम्पूर्ण संसार परमात्मा की ही सावरण अभिव्यंजना है। जीव की पूर्णता या मुक्ति और कुछ नहीं भगवान के साथ चेतना, ज्ञान, इच्छा, प्रेम और आध्यात्मिक सुख में एकता प्राप्त करना और भगवती शक्ति के कार्य सम्पादन में अज्ञान, पाप आदि से मुक्त होकर सहयोग देना है।

सफलता निखारने के लिए सतत प्रयास

अंतर्मन/ रेनू सैनी

कोई भी व्यक्ति चाहे वह कितना ही चतुर, प्रतिभाशाली और गुणवान क्यों न हो, पहली बार किसी भी कार्य को शत-प्रतिशत सही नहीं कर पाता। इसमें कुछ अपवाद अवश्य हो सकते हैं। लेकिन वास्तविकता यही है कि पहली बार में कार्य उतनी कुशलता से नहीं हो पाता, जितना कि बार-बार प्रयास करने के बाद होता है। बार-बार और लगातार प्रयास करके एक मूढ़ भी विद्वान बन जाता है। कहा भी गया है कि 'करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान, रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान।' कोई भी अनुपम कृति एक बार के प्रयास का परिणाम नहीं होती। किसी भी खिलाड़ी की सफलता केवल एक बार खेलने के कारण नहीं होती और कोई भी व्यवसाय प्रारंभ करते ही तरक्की की सीढ़ियां नहीं चढ़ता। इन सबको समय के साथ पुनरावृत्ति चक्र के माध्यम से बेहतर बनाया जाता है। पुनरावृत्ति चक्र एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति किसी भी कार्य अथवा परिस्थिति को वक्त के साथ बेहतर बना सकता है। कुछ लोग कार्य अथवा व्यवसाय में केवल एक बार के प्रयास से ही हार मान कर बैठ जाते हैं और स्वयं को असफल मान लेते हैं। ऐसे समय में उन्हें थॉमस एल्वा एडीसन को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने बल्ब बनाने के लिए लगभग दस हजार से अधिक आविष्कार किए। उनका कहना था, 'मैं असफल नहीं हुआ हूं। मैंने तो बस दस हजार तरीके अभी-अभी खोजे हैं, जो कामयाब नहीं होंगे।' जिंदगी में कुशल और परिपक्व बनने के लिए पुनरावृत्ति आवश्यक है। पुनरावृत्ति प्रकृति का भी एक अनिवार्य अंग है। वसंत, पतझड़, वर्षा और शीत की पुनरावृत्ति के कारण ही जीवन रसमय लगता है। अगर जीवन भर केवल एक ही ऋतु होती तो हर ओर एकरसता सी छा जाती। एकरसता ठहराव ला देती है जबकि जीवन लगातार आगे बढ़ने और चलने का नाम है। जीवन परिवर्तन का नाम है। हर पुनरावृत्ति काम को पूर्णता के और ज्यादा करीब लेकर आती है। जॉर्ज फोरमैन की तोड़फोड़ की आदतों को देखकर एक दिन किसी ने उन्हें सलाह दी कि उन्हें बॉक्सिंग में अपनी किस्मत आजमानी चाहिए। बस जॉर्ज को धुन सवार हो गई कि बॉक्सिंग को ही अपना भविष्य बनाना है। वे दिन-रात बॉक्सिंग का अभ्यास करने लगे। जब भी उन्हें असफलता मिलती तो वे अधिक उत्साह के साथ अभ्यास में लग जाते। उनके अभ्यास की पुनरावृत्ति ने उन्हें बॉक्सिंग का मास्टर बना दिया। उन्हें ओलम्पिक बॉक्सिंग दल में चुन लिया गया। जॉर्ज ने 1968 और 1973 के ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीते। 1974 में उनकी भिड़ंत मोहम्मद अली से हुई। अली ने इस मुकाबले को जीतने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा दिया और जॉर्ज को हरा दिया। अपनी इस हार से जॉर्ज को बहुत सदमा पहुंचा। इसके बाद वह एक और औसत मुक्केबाज से हार गए। इस हार ने उन्हें बिल्कुल तोड़ दिया। एक दिन उन्होंने दोबारा बॉक्सिंग रिंग में उतरने का फैसला किया। उन्होंने अपनी वापसी 1987 में की और मुकाबला जीत लिया। 1991 में वे जॉर्ज इवैंडर होलीफील्ड से हार गए। अब उनकी उम्र चालीस साल से ज्यादा हो गई थी। विशेषज्ञों ने उन्हें बॉक्सिंग छोड़ने की सलाह दी। परंतु 45 साल की आयु में उन्होंने दुनिया को दांतों तले अंगुली दबाने पर मजबूर कर दिया। एक बार फिर विश्व का हैवीवेट खिताब उनके नाम हो चुका था। इसके बाद उन्होंने पुस्तकें भी लिखीं। पुनरावृत्ति एक चक्र है। एक बार जब व्यक्ति परिवर्तन के परिणामों को माप लेता है और यह निर्णय ले लेता है कि इसे जारी रखना है, अथवा नहीं, तो व्यक्ति अपने शुरुआती दौर की ओर लौटकर दोबारा अवलोकन करता है कि पहले के मुकाबले उसने कितनी सफलता प्राप्त की। लगातार पुनरावृत्ति करते-करते वह कब शिखर पर पहुंच जाता है, इसका आभास ही नहीं होता। प्रारंभ में पुनरावृत्ति करते समय अवश्य व्यक्ति को अधिक मेहनत करनी पड़ती है लेकिन फिर धीरे धीरे यह उसके व्यवहार का अंग बन जाती है। इसी बीच वह यह भी समझ जाता है कि असफलता जैसा कुछ नहीं होता। असफलता दरअसल सफलता का बीज होती है, इसे पुनरावृत्ति चक्र की खाद देकर उत्तम फल प्राप्त किया जा सकता है। तो अगली बार परीक्षा हो अथवा नौकरी, नया कार्य हो अथवा नई कला। पहली बार में आशातीत सफलता न मिले तो उसे निखारने के लिए पुनरावृत्ति चक्र का अभ्यास करें और तब तक करते रहें जब तक पुनरावृत्ति चक्र से मनोवांछित परिणाम न मिलने लगें।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

1 मई से बदल रहा है एसबीआई का नियम, 40 करोड़ ग्राहकों पर होगा असर

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के ब्याज दरों को लेकर एक मई से नए नियम लागू होने जा रहे हैं। नए नियमों का असर एसबीआई के 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों पर पड़ने की उम्मीद है। आइए जानें कैसे होगा इस नियम का असर.. दरअसल, एसबीआई ने अपने डिपॉजिट और लोन की ब्याज दरें आरबीआई की बेंचमार्क दर से जोड़ दिया हैं। इसका मतलब यह हुआ कि अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के रेपो रेट में बदलाव होने पर बैंक की जमा और लोन की दरों पर भी असर होगा। हालांकि 1 लाख रुपए से ज्यादा के जमा और लोन की ब्याज दरों पर ही यह नियम लागू होंगे। यह नई व्यवस्था 1 मई से लागू होने वाली है। इस नए नियम के लागू होने के बाद ग्राहकों को पहले की तुलना में बचत खाते पर कम ब्याज मिलेगा। इसका असर एसबीआई के करीब 95 फीसदी ग्राहकों पर पड़ने का अनुमान है। नए नियम के लागू होने के बाद के ग्राहकों को 1 लाख रुपए तक रखने पर पहले की तरह 3.5 फीसदी का ब्याज मिलेगा जबकि खाते में एक लाख रुपए से अधिक की रकम रहने पर बचत खाते पर 3.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। बता दें कि की ओर से हाल ही में ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की गई थी। इसके बाद एसबीआई समेत कई बैंकों ने होम लोन और ऑटो लोन की ब्याज दरों में कटौती की है। एसबीआई ने लोन की ब्याज दरों में 0.05 फीसदी की मामूली कटौती की है। संशोधित दर वाले 30 लाख रुपए तक के होम लोन पर भी एसबीआई ने ब्याज दर में 0.10 फीसदी की कटौती की है।

इस साल भी होगी झमाझम बारिश, आइएमडी का मॉनसून सामान्य रहने का अनुमान

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) ने सोमवार को मॉनसून को लेकर इस साल का पहला अनुमान जारी कर दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक इस साल देश में मॉनसून सीजन (जून-सितंबर) के दौरान सामान्य बरसात होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मॉनसून सीजन में अल-नीनो कमजोर रहने की संभावना है और सीजन बढ़ने के साथ यह कमजोर होता जाएगा। गौरतलब है कि भारत एक कृषि आधारित इकोनॉमी है और देश की आधी से ज्यादा कृषि मॉनसून पर निर्भर है। इससे पहले अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों की मौसम एजेंसियों समेत भारत में स्काईमेट ने भी मॉनसून की चाल पर अलनीनो के असर की आशंका जताई थी। मौसम विभाग द्वारा जारी बयान के मुताबिक, जून-सितंबर तक चलने वाले मॉनसून सीजन के दौरान लॉन्ग टर्म एवरेज की तुलना में 96 फीसदी बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा कि उसके अनुमान में 5 फीसदी कम या ज्यादा का अंतर हो सकता है।

भारत में कृषि के लिए मॉनसून सीजन की खासी अहमियत है क्योंकि साल भर होने वाली बारिश में 70 फीसदी योगदान मॉनसून सीजन का ही होता है। इससे जलाशय भर जाते हैं और फसलों की सिंचाई में मदद मिलती है। फसलों की सिंचाई में मदद मिलती है। इससे करोड़ों लोगों को आजीविका मिलती है और खाद्य पदार्थों की कीमतें भी प्रभावित होती हैं। दुनिया में भारत चावल, गेहूं और कॉटन का दूसरा बड़ा उत्पादक है। कम बारिश से इनके उत्पादन में कमी आती है। साथ ही इडिबिल ऑयल जैसी कमोडिटीज का ज्यादा आयात करना पड़ता है। प्रशांत महासागर में पेरू के पास समुद्री तट के गर्म होने वाली घटना को अलनीनो कहा जाता है। पिछले कुछ सालों से प्रशांत महासागर की सतह का तापमान बढ़ रहा है। अलनीनो की वजह से समुद्री हवाओं का रुख बदल जाता है। इसके चलते ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में बारिश नहीं होती और इसके उलट जिन इलाकों में बारिश नहीं होती है, वहां मूसलाधार बारिश होती है।

मार्च महीने में 3.18 फीसदी की दर से बढ़ी थोक महंगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बदलते मौसम के साथ महंगाई का भी मिजाज 'गर्म' हो रहा है। थोक महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.18 फीसदी पर पहुंच गई, जो कि फरवरी में 2.93 फीसदी पर थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी जानकारी मिली। महंगाई में इजाफे की बड़ी वजह खाने-पीने के वस्तुओं और फ्यूल की कीमतों में तेज उछाल रहा। तीन महीने में थोक महंगाई का यह सबसे उच्चतम स्तर है। पारा चढ़ने साथ ही सब्जियों की कीमतें में जोरदार उछाल आया है। मार्च में खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर 2.86 फीसदी हो गई जोकि फरवरी में 2.57 फीसदी थी। पिछले साल मार्च में यह 4.28 फीसदी पर थी। मार्च महीने में खाने-पीने की चीजों की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 0.3 फीसदी हो गई जो कि फरवरी में 0.66 फीसदी घटी थी। फलों और सब्जियों में मार्च में खुदरा महंगाई दर में क्रमशः 5.88 फीसदी और 4.90 फीसदी की गिरावट रही।

मुकेश अंबानी ने हासिल किया नया मुकाम, रिलायंस जियो ने 300 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार किया

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

मुकेश अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो परिचालन शुरू करने के ढाई साल में ही 300 मिलियन ग्राहकों के आंकड़े को पार कर गई है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने यह महत्वपूर्ण आंकड़ा दो मार्च को ही हासिल कर लिया था। हालांकि जियो को इस बाबत भेजे गए सवाल का अब तक जवाब नहीं मिल सका है। कंपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में विज्ञापनों के दौरान भी 300 मिलियन ग्राहकों का लक्ष्य पाने का जश्न मनाते दिख रही है बता दें कि जियो परिचालन शुरू करने के बाद सबसे कम समय में दस करोड़ ग्राहक बनाने वाली कंपनी है। कंपनी ने महज 170 दिन में यह आंकड़ा छू लिया था। मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो हमेशा से ही ज्यादा से ज्यादा

ग्राहक बनाने के लिए प्रयास करती आई है। दिसंबर 2018 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय रिपोर्ट में भारती एयरटेल ने खुलासा किया था कि उसके 284 मिलियन ग्राहक थे। हालांकि, नियामक फाइलिंग के अनुसार, भारती एयरटेल ने दिसंबर में अपने नेटवर्क पर 340.2 मिलियन ग्राहक और जनवरी के अंत में 340.3 मिलियन ग्राहक होने की सूचना दी। भारती एयरटेल ने अपने संचालन के 19वें वर्ष में 300 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार किया। 31 अगस्त, 2018 को वोडाफोन इंडिया और आइडिया सेल्युलर के मोबाइल कारोबार के विलय के बाद 400 मिलियन ग्राहकों के साथ वोडाफोन आइडिया देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

सोना 200 रुपए टूटा, चांदी भी कमज

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर पीली धातु में गिरावट और आभूषण निर्माताओं की ओर से कमजोर मांग के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना सोमवार को 200 रुपए लुढ़ककर करीब साढ़े महीने के निचले स्तर 32,620 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। चांदी भी 80 रुपए टूटकर 38,100 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। विदेशों से मिली जानकारी के अनुसार, वहां सोना एक सप्ताह के निचले स्तर पर उतर गया। सोना हाजिर तीन डॉलर की गिरावट में 1,287.15 डॉलर प्रति औंस बिका। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 5.10 डॉलर कमजोर होकर 1,290.10 डॉलर प्रति औंस रह गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि चीन के निर्यात के अच्छे आंकड़े आने और अमेरिका के साथ उसके व्यापारिक रिश्तों में सुधार की उम्मीद से निवेशकों ने पीली धातु की बजाय शेयर में निवेश किया। इससे एशियाई शेयर बाजार नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए और सोने पर दबाव रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 14.93 डॉलर प्रति औंस पर टिकी रही।

मुंबई से कोलंबो समेत पांच शहरों के लिए इंटरनैशनल उड़ानें शुरू करेगी स्पाइसजेट

नई दिल्ली। किफायती विमानन सेवाएं देने वाली कंपनी स्पाइसजेट ने मुंबई से कोलंबो, ढाका, रियाद, हांगकांग और काठमांडू के लिए सीधी उड़ान शुरू करने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी मई के अंत तक ये उड़ानें शुरू करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह मुंबई से कोलंबो, ढाका, रियाद, हांगकांग और काठमांडू के लिए सीधी उड़ान शुरू करने वाली पहली किफायती घरेलू विमानन कंपनी होगी। इन नए मार्गों पर बोइंग के 737 एनजी विमानों की सेवा दी जाएगी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने एक बयान में कहा, ''हम कई लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय शहरों को मुंबई से सीधा जोड़कर उत्साहित हैं।'

संकट में फंसी महिलाओं की मदद करेगा मोबाइल एप माइ सर्कल

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की महिला उद्यमियों की शाखा एफएलओ के सहयोग से रविवार को एक मोबाइल एप माई सर्कल लांच किया, जोकि किसी प्रकार की समस्या या घबराहट के हालात में महिलाओं की मदद करेगा। भारती एयरटेल ने एक बयान में कहा कि इस एप्लीकेशन में संशय के संकेत मिलते हैं जो किसी भी दूरसंचार सेवा नेटवर्क के साथ फोन पर काम करेगा। एयरटेल ने कहा, माई सर्कल से महिलाएं जरूरत पड़ने पर अपने परिवार या मित्रों में से किन्हीं पांच लोगों को 13 भाषाओं में संदेश भेज सकती हैं, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़, मराठी, पंजाबी, बांग्ला, उर्दू, असमी, ओड़िया और गुजराती शामिल हैं। संकट में फंसी महिला एप पर एसओएस प्रॉम्ट दबाकर एसओएस अलर्ट भेज सकती है।'

भारत समेत दुनिया के कई देशों में डाउन हुआ फेसबुक , व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम

नई दिल्ली। सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक रविवार को वैश्विक स्तर पर बाधित हुई। भारत में फेसबुक इस्तेमाल करने वाले कुछ उपयोक्ताओं को इसके डेस्कटॉप संस्करण में परेशानी आई, हालांकि मोबाइल में यह सही से काम कर रहा है। फेसबुक में आई इस समस्या से जुड़ी खबर देने वाली वेबसाइट डाउन डिटेक्टर के मुताबिक, भारत में शाम 4 बजे से फेसबुक में यह परेशानी आई। डाउन डिटेक्टर की रिपोर्ट की मानें तो फेसबुक में आई इस परेशानी का सबसे ज्यादा असर अमेरिका, मलेशिया और तुर्की पर पड़ा। फेसबुक के साथ ही व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने वाले यूजर्स को भी इस तरह की परेशानियों से दो-चार होना पड़ा है। आपको बता दें कि पिछले महीने भी इस तरह की समस्या हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत में पिछले महीने 13 मार्च की रात करीब 9.30 बजे फेसबुक डाउन हुआ था। इसके कुछ मिनट बाद ही व्हाट्सएप भी डाउन हो गया था। इससे फेसबुक मैसेंजर भी प्रभावित हुआ, इसी दौरान इंस्टाग्राम में समस्या शुरू हो गई थी। इंस्टाग्राम भी फेसबुक की ही सोशल नेटवर्किंग साइट है। इंस्टाग्राम भी फेसबुक की ही सोशल नेटवर्किंग साइट है। उस वक्त फेसबुक को पूरी तरह से दिक्कत दूर करने में 24 घंटे का समय लग गया था।

डिजिटल भुगतान होगा और भी मजबूत, एनपीसीआई ब्लॉकचेन से निकालेगा हल

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) डिजिटल भुगतान को मजबूत करने के लिए वृहद स्तर पर ब्लॉकचेन समाधान के इस्तेमाल पर गौर कर रही है। डिजिटल भुगतान में हालिया समय में कई गुणा वृद्धि देखी गई है। एनपीसीआई देश में सभी खुदरा भुगतान समाधान का शीर्ष संगठन है। इसे रिजर्व बैंक और भारतीय बैंक संगठन के समर्थन एवं सहयोग से बनाया गया है। देश के 10 बैंक इसके प्रवर्तक हैं तथा इसमें 56 बैंक हिस्सेदार हैं। निगम ने एक अधिसूचना में कहा कि एनपीसीआई एक लचीला, रियल टाइम तथा वृहद स्तर का ब्लॉकचेन समाधान विकसित करना चाहता है। इस समाधान को ओपन सोर्स प्रौद्योगिकी/ रूपरेखा/ समाधान का इस्तेमाल कर विकसित करना प्रस्तावित है। निगम ने इस संबंध में निविदा (एक्सप्रेस ऑफ इंटेरेस्ट) जारी की है। पीडब्ल्यूसी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत 2023 तक ब्लॉकचेन में दुनिया में अग्रणी हो जाएगा।

ग्राहक से कैरी बैग के 3 रुपए चार्ज करना पड़ा महंगा, बाटा कंपनी पर लगा 9 हजार रुपए का जुर्माना

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

प्रमुख फुटवियर कंपनी बाटा इंडिया लिमिटेड को कैरी बैग के लिए पैसे चार्ज करना महंगा पड़ गया। दरअसल, एक कस्टमर की शिकायत पर सुनवाई करते हुए चंडीगढ़ कंज्यूमर फोरम ने बाटा कंपनी को फटकार लगाई और 9000 रुपए चुकाने का आदेश दिया। कस्टमर से पेपर बैग के लिए 3 रुपए मांगने के लिए कंज्यूमर फोरम ने बाटा कंपनी को फटकार लगाई। चंडीगढ़ के निवासी दिनेश प्रसाद रतूड़ी ने कंज्यूमर फोरम से की गई अपनी शिकायत में कहा था कि 5 फरवरी को जूते खरीदने के लिए सेक्टर-22 डी स्थित बाटा स्टोर गया। स्टोर में जूते के लिए 402 रुपए का बिल बनाया गया जिसमें पेपर बैग की दाम भी शामिल था। दिनेश रतूड़ी ने कंज्यूमर फोरम में कहा कि बैग के लिए चार्ज कर के बाटा अपने ब्रांड का प्रचार कर रही थी। बैग पर बाटा का विज्ञापन था और यह उचित नहीं था। अपनी शिकायत में दिनेश रतूड़ी ने कंपनी द्वारा कैरी बैग के लिए चार्ज किए गए 3 रुपए वापस लौटाने और सेवा में कोताही बरतने के लिए मुआवजा भी मांगा। इसके जवाब में बाटा इंडिया ने सेवा में कोताही बरतने के आरोप से इनकार किया। बहरहाल, कंज्यूमर फोरम ने कहा कस्टमर को पेपर बैग के लिए पैसे देने को मजबूर करना साफ तौर पर सेवा में कोताही बरतने जैसा है क्योंकि यह स्टोर की ड्यूटी है कि वह प्रोडक्ट खरीदे कस्टमर को मुफ्त में बैग मुहैया कराए। कंज्यूमर फोरम ने बाटा इंडिया मुफ्त में पेपर बैग देने का निर्देश दिया। फोरम ने कहा कि अगर कंपनी सही मायने में

एन्वार्यमेंट फ्रेंडली है तो उसे सभी कस्टमर्स को कैरी बैग फ्री में देना चाहिए। फोरम ने अपने आदेश में बाटा कंपनी तो 3 रुपए लौटाने और 1000 रुपए मुआवजा खर्च देने को कहा। इसके साथ ही कस्टमर को हुए मानसिक पीड़ा के लिए 3000 रुपए मुआवजा देने का भी निर्देश दिया।

जेट संकट : नरेश गोयल के स्पोर्ट में अमेरिका व लंदन की कंपनियां

मुंबई (एजेंसी)।

कैश की कमी से जूझ रही देश की पहली प्राइवेट विमान कंपनी जेट एयरवेज को उबारने के लिए अमेरिका के डेलावेयर की कंपनी फ्यूचर ट्रेंड कैपिटल संस्थापक नरेश गोयल की मदद कर सकती है। पिछले दिनों जेट एयरवेज के लिए कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जो उसके भविष्य को लेकर सवाल खड़े कर रही हैं। इनमें कर्मचारियों की सैलरी, वित्तीय संकट, विमान की संख्या में कटौती भी शामिल है। जेटएयर ग्रुप, जेट एयरवेज की जनरल सेल्स एजेंसी है, जिससे इस कंपनी का जन्म हुआ था। फ्यूचर-जेटएयर की बोली पिछले शुक्रवार को शाम 6.08 बजे मिली थी, जबकि इसकी डेडलाइन शाम 6 बजे की थी। जेट एयरवेज को कर्ज देने वाले बैंक जब कंपनी के लिए निवेशक चुनेंगे तो वे इस बात पर भी गौर कर सकते हैं। फ्यूचर ट्रेंड के साथ गोयल के कनेक्शन और बोली लगाने में देरी के बारे में पूछे गए सवालों का जेटएयर के प्रवक्ता ने जवाब नहीं दिया। फ्यूचर ट्रेंड के बारे में अधिक जानकारी नहीं है लेकिन माना जा रहा है कि जेट एयरवेज में हिस्सेदारी लेने के लिए उसे फंड की कमी नहीं होगी। कंपनी के लिए बोली लगाने की शर्तों के मुताबिक, निवेशक की नेटवर्थ 1,000 करोड़ रुपए होनी चाहिए और उसके पास जेट में लगाने के लिए और हजार करोड़ रुपए हों। सूत्रों ने बताया कि लंदन की कंपनी स्वद्ध पार्टनर्स भी जेटएयर और फ्यूचर ट्रेंड के ग्रुप के साथ जुड़ी हुई है। एक बैंकर ने बताया कि जेट को बचाने का एक रास्ता यह हो सकता है कि इससे कई निवेशक जोड़े जाएं, जिनका आपस में कोई रिश्ता न हो। उन्होंने बताया, एतिहाद एयरवेज, नैशनल इंफ्रास्ट्रक्चर ऐंड इनवेस्टमेंट फंड (एनआईआईएफ) और टीपीजी कैपिटल या इंडिगो पार्टनर्स जैसे प्राइवेट इक्विटी फंड अगर निवेश करें और कंपनी के बढ़े हुए इक्विटी पूल में तीनों में से हरेक 24 फीसदी या उससे कम स्टेक लें तो ओपन ऑफर नहीं लाना पड़ेगा। एतिहाद जेट एयरवेज में अपनी हिस्सेदारी 24 फीसदी से अधिक नहीं बढ़ाना चाहती। एतिहाद संयुक्त अरब अमीरात की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन है और उसके पास जेट एयरवेज के 24 फीसदी शेयर हैं। कंपनी के पास सिर्फ 6 प्लेन बचे हैं। जेट के पूर्व वाइस प्रेजिडेंट और इंडिपेंडेंट एविएशन मैनेजमेंट प्रफेशनल मनीष रनिगा ने बताया, बैंक अगर अंतरिम फंडिंग दें तो जेट एयरवेज को बचाया जा सकता है। अगर जेट को नहीं बचाया जाता है तो इससे देश में हवाई सेवा पर बुरा असर पड़ेगा।

अगर कंपनी की स्थिति खराब होती रही तो निवेशकों की दिलचस्पी भी घट सकती है। एक अन्य बैंकर ने कहा, गोयल और उनके सहयोगियों को जेट एयरवेज की बोली लगाने से नहीं रोका जा सकता। फॉरेंसिक रिपोर्ट में उनके खिलाफ कुछ नहीं निकला था। साथ ही, जेट का लोन रिजॉल्यूशन दिवाला कानून के तहत नहीं हो रहा है, जिसमें मौजूदा प्रमोटरों के कंपनी के लिए बोली लगाने पर पाबंदी है।

एच-1बी वीजा आवेदन इस साल 5 प्रतिशत बढ़ा, भारतीय आवेदनों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली। यू.एस. सिटीजन एंड इमीग्रेशन सर्विसेज (यू.एस.सी.आई.एस.) ने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष के लिए उसे एच-1बी वीजा के 2,01,011 आवेदन मिल चुके हैं, जो 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। साथ ही अमरीकी विश्वविद्यालयों से मास्टर्स या उससे ऊपर की डिग्री रखने वालों द्वारा भी उसे पर्याप्त संख्या में आवेदन मिल चुके हैं। आवेदन प्रक्रिया एक अप्रैल को शुरू हुई थी। कुल आवेदनकर्त्ताओं में से केवल 42 प्रतिशत लोगों को ही एच-1वीजा मिल पाएगा क्योंकि अमरीका एक साल में केवल 85,000 लोगों को ही यह वीजा जारी करता है। अमरीका ने इस साल हालांकि मास्टर्स या उससे ऊपर की डिग्री रखने वालों के लिए 20,000 से अधिक वीजा जारी करने के लिए नियमों में बदलाव भी किया है। पिछले साल यू.एस.सी.आई.एस. को 1,90,098 आवेदन मिले थे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस साल आवेदन कम रह सकता है यानी भारतीय आवेदनों में गिरावट आने की उम्मीद है। एच-1बी वीजा का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाली भारतीय आई.टी. कम्पनियों ने आरोप लगाया है कि अमरीका से मास्टर्स या उससे ऊपर की डिग्री रखने वालों के लिए नया कोटा अमरीकी प्रौद्योगिकी कम्पनियों के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया है। मुम्बई की एक ग्लोबल लॉ फर्म लॉक्रैस्ट की प्रबंध निदेशक पूर्वी चोटानी ने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल कुल आवेदनों में निश्चित तौर पर थोड़ी बढ़ौतरी हुई है हालांकि पिछले कुछ वर्षों में ट्रैंड में यह कोई बड़ा बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकतर कम्पनियों ने कहा है कि उन्होंने एच-1वीजा के लिए पहले की तुलना में कम आवेदन दिया है, इसलिए इस वीजा के लिए भारतीय आई.टी. कम्पनियों के बीच मांग 20-30 प्रतिशत कम लग रही है।

4 बैंकों से 27,000 करोड़ रुपए का कर्ज लेगी जियो की फाइबर यूनिट

मुंबई (एजेंसी)।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम (जियो) की फाइबर यूनिट बैंकों के एक समूह से 27 हजार करोड़ रुपए का सिंडिकेटेड लोन जुटा रही है। सूत्रों के अनुसार, जियो से फाइबर यूनिट को अलग करने के बाद इसे वित्तीय मदद देने के लिए कंपनी ने यह योजना बनाई है। कंपनी जिस बैंक समूह से कर्ज ले रही है, उसमें एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, ऐक्सिस बैंक और पीएनबी शामिल हैं। कंपनी के इस कदम का यह भी मतलब है कि ग्रुप का फाइबर केबल बिजनेस पर फोकस बढ़ रहा है। जियो के डीमर्जर प्रोसेस से बनने वाली दो इकाइयों में से एक जियो इन्फ्राटेल प्राइवेट है। इसने दो साल की मच्योरिटी के साथ यह कर्ज लिया है। इस पर कंपनी 8.35-8.85 फीसदी का ब्याज देगी। मिली जानकारी के अनुसार, यह कर्ज डीमर्जर प्रोसेस में मदद के लिए लिया जा रहा है, जिसके बाद फाइबर बिजनेस स्टैंडअलोन सब्सिडियरी बनेगी। कंपनी की इस योजना से वाकिफ एक सीनियर ऐनालिस्ट ने बताया, इस कर्ज का इस्तेमाल फाइबर यूनिट को मजबूत बनाने में किया जाएगा और यही आगे का रास्ता है। उन्होंने कहा कि इस फाइबर नेटवर्क का इस्तेमाल दूसरी टेलिकॉम कंपनियां भी कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि यहां तक कि पावर6इंडस्ट्री भी इसका इस्तेमाल कर सकती है। कहा जा रहा है कि एसबीआई इसमें 10-11 हजार करोड़ का कर्ज दे रहा है। आईसीआईसीआई और पीएनबी में से हरेक ने जियो की फाइबर यूनिट के लिए 5000-5000 करोड़ कर्ज देने का वादा किया है और ऐक्सिस बैंक उसे 6,000 करोड़ का कर्ज दे रहा है। हालांकि, इस बारे में ई-मेल भेजकर रिलायंस ग्रुप से प्रतिक्रिया मांगी गई थी लेकिन खबर लिखे जाने तक इसका जवाब नहीं मिला था। ऐक्सिस बैंक ने इस खबर पर कॉमेंट करने से इनकार कर दिया जबकि एसबीआई, आईसीआईसीआई और पीएनबी से ईमेल से पूछे गए सवालों का जवाब नहीं मिला।

शहर में दारू बंद लेकिन पीने वालों की कोई कमी नहीं है। गुजरात में महात्मा गांधी को सम्मान देते हुए राज्य में दारु बंदी की गई थी लेकिन आज आलम ये है कि सूरत समेत राज्य भर में दारु का कारोबार धड़ल्ले से किया जा रहा है। ऐसा नहीं है की राज्य भर में दारु बिक्री की जानकारी प्रशासन को नहीं है लेकिन प्रशासन द्वारा इन अवैध दारू बिक्री करने वालो पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। प्रशासन केवल दिखाने के लिए कुछ दारु के अड्डों पर छापे मारकर वहां से दारू पकड़े लेता है लेकिन कुछ दिनों के बाद वे अड्डे वैसे जी चलने लगते है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार हर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में लगभग 10 से 15 देशी व अंग्रेजी के दारू के अड्डे सूरत शहर में खुले हुए है जिनकी जानकारी पुलिस प्रशासन को है लेकिन वे अड्डे वाले मोटा हफ्ता देकर इनकी आंखे बंद करवा देता है और लोग दारू पिकर आए दिन सड़क किनारे पड़े मिलते है।

मार्ट सिटी सूरत के विकास की चौथी वर्षगाठ

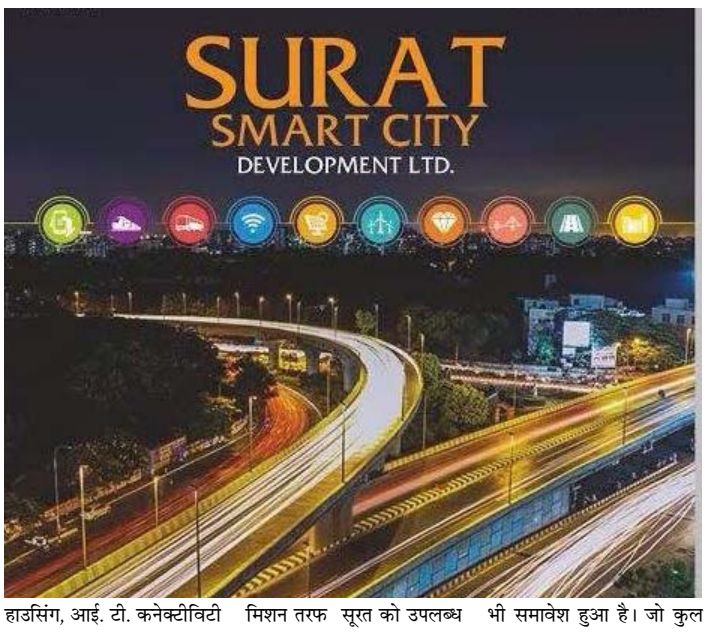

सूरत। 25 जून 2015 के दिन स्मार्ट सिटी योजना प्रकाश में आई उसके बाद इस योजना के अंतरगत भारत देश के प्राथमिकता पाने कुल 100 शहरों में प्रथम चरण में पसन्द किये गये 20 शहरों की सूची में सूरत शहर का नाम चौथे क्रम पर है। स्मार्ट सिटी के विकास के मुख्यरुप से 4 आधार स्तम्भ है जैसे संस्थाकीय, भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक सुविधाये जो शहर के नागिरकों के साथ सुविधाओं में आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरल प्रारदर्शी एवं तीव्रगति से नागरिकों के जीवन स्तर ऊमर ल ाकर तथा स्मार्ट सिटी के कार्मान्वयन से आने वाले अवसरों का लभ ले शहर की अधिक आर्थिक उन्नति कर के नौकरी के नये अवसर पैदा करने तथा शहरों के सर्वागी विकास करने की एक शुरुआत है। सूरत शहर के लिए स्मार्ट सिटी के अंतर्गत क्षेत्रीय विकास, आर्थिक, विकास, रीनवेवल ऊर्जा, वातावरण विकास, ह ेरीटेज रेस्टोरेशन, एफोडैबल हाउसिंग, आई. टी. कनेक्टीविटी एवं डिजिटलाईजेशन, नोन-मोटराइज ट्रासपोर्ट, सीवरेज सोलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट, स्ट्रोमवोटर मैनेजमेन्ट, अरवन ट्रांसपोर्ट, वोटर सप्लाय सेक्टर अन्तर्गत कुल 2968.04 करोड़ के 74 प्रोजेक्ट होंगे। जिसमें से एक हजार करोड़ स्मार्ट सिटी मिशन तरफ सूरत को उपलब्ध कराया जाएगा। उसमें पी.पी. पी कक्षा पर अन्दाजन रु. 746. 11 करोड़ व सूरत मनपा का स्वयं फंड के अतिरिक्त केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत समन्वय से होने वाले खर्च रु. 731.74 करोड़ की रकम का भी समावेश हुआ है। जो कुल प ांच वर्ष के समयावधि में कार्यान्वित करवाने का आयोजन है। अभी अनुमानित रुपये 891. 29 करोड़ के कुल 41 प्रोजेक्ट पूर्ण हो गये है। अनुमानित रुपय 1878.24 करोड़ के कुल 27 प्रोजेक्ट कार्यरत प्रगति में है। अनुमानित रु. 74.90 करोड़ के कुल 2 प्रोजेक्ट टेण्डर स्कूटिनी के तहत है अन्दाजित रु. 106. 14 करो़ के कुल 3 प्रोजेक्ट के लिए टेण्डर निकाले गये है। अन्दाजित रु. 17.46 करोड़ का एक प्रोजेक्ट टेण्डर के लेवल पर है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सूरत सिटी एस.पी.वी ने भारत सरकार की तरफ से ग्रांट के रुप में रु. 291.75 करोड़ गुजरात सरकार की तरफ से 146.00 करोड़ मिले है। गत वित्तीय वर्ष के अन्त तक रुपय 1191.99 करोड हुआ है। जो अन्य स्मार्ट सिटी में हुए खर्चों में सर्वाधिक खर्च है। रुपये 1,000.00 करोड से ज्यादा खर्च करने वाला सूरत एक मात्र शहर है। वर्ष 2019-20 में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत अनुमानित कुल 706.26 करोड़ का वित्तिय खर्च होना है। अभी तक स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत कुल 41 प्रोजेक्टों को पूर्ण किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन की चौथी वर्षगाठ 25 जून 2019 तक रु. 336.11 करोड़ का कुल 9 प्रोजेक्ट पूर्ण करने की योजना है।

न्याय योजना से देशवासियों को मिलेगा न्याय : राहुल गांधी

भावनगर । गुजरात में लोकसभा चुनाव का प्रचार भावनगर से प्रारंभ करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम न्याय योजना से देशवासियों को न्यायल दिलाएंगे और किसानों के लिए अलग बजट बनाएंगे। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर कड़े प्रहार किए। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार में हर दिन किसी न किसी उद्योगति का ऋण माफ होता है। मोदी सरकार के राज में अनिल अंबानी, निरव मोदी, विजय माल्या जैसे बड़े लोग लोन लेते हैं, परंतु भरपाई नहीं करते इसके बावजूद उन्हें जेल नहीं भेजा जाता। लेकिन यदि कोई किसान लोन लेने के बाद किन्हीं कारणों से भुगतान नहीं करे तो उसे जेल में बंद कर दिया जाता है। कांग्रेस के सत्ता में आने पर किसानों का हर दु:ख दर्ज दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में कर्ज के मामले में किसी किसान को जेल नहीं जाना पड़ेगा। मोदी सरकार ने देश के लोगों के साथ विश्वासघात किया है। मोदी सरकार के 15 लाख रुपए देने की घोषणा को खोखली बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनेगी तो हर साल गरीबों के खाते में रु. 72000 खाते में जमा कराएगी। इस न्याय योजना के जरिए देश के 5 करोड़ परिवारों का सहायता दी जाएगी। हम लोगों के खाते में 72000 रुपए गरीबों के एकाउन्ट में डालेंगे और जादू होगा। इन रुपयों से गरीब बाजार से वस्तुएं खरीदेगा और उससे हिन्दुस्तान में फैक्ट्रियां शुरू होंगी, जिसमें सभी को रोजगार मिलेगा। न्याय योजना से बड़ा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि न्याय योजना भारत की अर्थ व्यवस्था का इंजन स्टार्ट कर देगी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने 5 साल में किए अन्याय के बदले में हम न्याय योजना लाए हैं। जो 2019 का चुनाव जीतने के बाद तुरंत लागू कर दी जाएगी। न्याय योजना का पैसा चोरों के बैंक खाते से लाएंगे और गरीबों के खाते में जमा कराएंगे। राहुल ने कहा कि हमने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले वादा किया था कि कांग्रेस के सत्ता में आते ही किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। तीनों राज्यों में सत्ता संभालने के दस दिनों के भीतर किसानों का कर्ज माफ कर दिया। यदि गुजरात में कांग्रेस सत्ता में आती तो यहां के किसानों का कर्ज माफ हो सकता था। उन्होंने कहा कि जिन कांग्रेस सत्ता में आई है, उन राज्यों में किसानों का कर्जा माफ कर दिया गया है। 2019 के बाद यदि कांग्रेस केन्द्र में सत्तारूढ़ हुई तो दो बजट बनाएगी। जिसमें एक राष्ट्रीय बजट होगा और दूसरा किसानों के लिए बजट बनाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि पांच साल पहले जब गुजरात की जनता ने नरेन्द्र मोदी को 26 सीटों से जितवाकर दिल्ली भेजा था, तब उन्हें पूरा यकीन था कि वह कुछ करेंगे। लेकिन मोदी ने एक भी ऐसा वादा पूरा नहीं किया जो उन्होंने किया था। उन्होंने कहा कि आज 45 साल में सबसे अधिक बेरोजगारी भारत में है और उसका कारण है नोटबंदी और जीएसटी।

पाटीदार समाज के साथ दर्शनाबेन जरदोष की ग्रुप मीटिंग आयोजित

सूरत। सोमवार को 24 लोकसभा संसदीय विस्तार की भाजपा प्रत्याशी दर्शनाबेन जरदोष की पाटीदार समाज के अग्रणियों के साथ एक मीटिंग आयोजित की गयी, कतारगाम विधानसभा वेड डभोली में केन्द्रीय मंत्री मनसुख भाई मांडवी की विशेष उपस्थिति में इस बैठक में भारी संख्या में पाटीदार समाज के अग्रणी भी उपस्थित थे। इस ग्रुप मीटिंग में गुजरात में लोकसभा के चुनावों में मतदान के गिनती के दिन ही बचे है और जब 24 सूरत लोकसभा के भाजपा की ल ेकप्रिय प्रत्याशी दर्शनाबेन जरदोष का चुनाव प्रचार समग्र मत विस्तार पूरे जोर से चल रही है। लोक सम्पर्क एवं राउण्ड रैली के बाद ग्रुप मीटिंग का दौर चालू है। इस प्रकरण में पाटीदार समाज के आगेवानी के साथ आज ग्रुप मीटिंग वेड और डभोली के रहने वाले पाटीदार समाज के गणमान्य अग्रणियों की बैठ का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्र सरकार के माननीय मंत्री मनसुख भाई मांडविया विशेष रुप से उपस्थित रहे। इस आयोजत बैठक में सूरत शहर के माननीय मेयर डा. जगदीश भाई पटेल, सूरत उत्तर विधान सभा के धारासभ्य कांतिभाई बलर कतारगाम जोन के विभिन्न वार्डो के भाजपा के कार्पोरेटर, संगठन अग्रकर्ता पाटीदार, समाज के अग्रणई डायमण्ड उद्योग के अग्रणी सहित पाटीदार, समाज के लोग भी उपस्थित थे।

सचिन जी.आई.डी.सी पुलिस स्टेशन के कनसाड़ गाम से अंग्रेजी शराब बरामद

सूरत। सोमवार को सूरत शहर के सचिन जी.आई.डी.सी पुलिस स्टेशन विस्तार के कनसाड़ गाम स्थित अहिर फलीयू में मंदिर के दक्षाबने कांतीभाई पटेल के घर में पीछे वाड़े से अंग्रेजी शराब की 40 बोटले बरमाद की है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकार के अनुसार जी.आई.डी.सी सचिन पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कनसाड़ गाम अहिर फलिया में मंदिर के पास दक्षाबेन कांतीभाई पटेल के घर के पीछे बने वाड़े में अन्डर ग्राउन्ड सीमेन्ट की टंकियों से गैरकायदेसर बनाी गई भारतीय बनावट को इंग्लिश दारू की 750 मि.ली. की बाटलियों में 40 नग कीमत लगभग 27,250 की मत्ता के साथ प्रोहिविशन मुद्दामाल छापा रखा था। उपरोक्त मुद्दा माल जब्त कर जी.आई.डी.सी स्टे. 3 गु. नं. 863/2019 घी गुजरात नशाबन्दी अधि. 1949 की कलम 65 (ई) (ए) 116 (सी) मुजब अपराध दर्ज कर पुलिस ने आरोपी दक्षाबेन कांतीभाई पटेल को वान्टेड घोषित किया है। सदर केस की जांच पुलिस इंस्पेक्टर एम.वी. बतुल के हाथ में है। पी.आई. बतुल स्वयं इसकी जांच कर रहे है।

सूरत जिला के उद्योगों तथा बांधकाम श्रमिकों को मतदान दिवस 23 अप्रैल को सवेतन रजा फरजियात

सूरत। सोमवार को गुजरात राज्य के लोकसभा चुनाव 2019 में मतदान की तारीख 23 अप्रैल के दिन निश्चित की गयी है। इस दिन सूरत शहर जिला के कारखानाऔर, बिल्डिंग एवं अन्य बांधकाम साइटों पर काम करने वाले श्रमिकों को अपने मताधिकार के उपयोग हेतु सवेतन अवकाश हेतु औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के सूरत रिजियन के संयुक्त निदेशक ने एक सूचना जारी कर सूचित किया है। सूरत जिला कारखाना धारा 1948 के तहत कारखानाओं तथा बिल्डिंग व अन्य कास्ट्रक्शन वर्कर्स एक्ट 1996 के अंतर्गत पंजीकृत बांधकाम साइटों में काम करने वाले श्रमयोगी अपने मताधिकार का उपयोग कर सके इसके लिए लोकसप्रतिनिधित्व धारा 1951 की कलम 135(बी) के तहत श्रमयोगियों को सवेतन अवकास देना है। इस व्यवस्था के अनुसार अवकाश जाहेर करने के कारण सम्बन्धित कर्मचारी की पगार में से किसी भी तरह की कटौती नहीं होगी। यदि कोई कर्मचारी पगार लेने का हम न रखता हो ऐसे संयोग में उस व्यक्ति को अवकाश जाहेर न हो तो जो पगार उसे मिलनी चाहिए उतनी पगार उसे दना होगा। रोजगार में भारी नुकसान होना सम्भव हो ऐस मतदाता के लिए अथवा सत्त प्रक्रिया वाले उद्योगों में काम करते श्रमयोगियों को उनके मत देने का अधिकार पूर्ण हो सके इस हेतु से 3 से 4 घंटे के लिए सवेतन अवकाश देना होगा। यदि को उद्यमी इस व्यवस्था के विरुद्ध आचरण करता है तो कानूनी तौर पर दण्ड का भागी होगा।

विद्यार्थियों के लिए बोर्ड का निर्णय

विद्यार्थी गलती कबूल कर लेगा तो गांधीनगर तक नहीं जाना पड़ेगा

अहमदाबाद। बोर्ड की परीक्षा के दौरान अहमदाबाद सहित जि ला स्तर पर सीसीटीवी फूटेज में परीक्षा में अनियमितता करते हुए पकड़े गये विद्यार्थियों को हियरिंग में बुलाकर खुद सुना गया था । अधिकतर विद्यार्थियों ने हियरिंग के समय खुद कोपी करने की कबूल कर ले इसके बाद उसे राज्य स्तर की ऑफिस के समक्ष उपस्थित होना पड़ता है और दूर से आते विद्यार्थी को गांधीनगर का चक्कर लगाना पड़ता है लेकिन पहली बार बोर्ड ने इस वर्ष स्थानीय डीईओ ऑफिस को सत्ता देने पर विद्यार्थियों को अब गांधीनगर तक नहीं आना पड़ेगा। बोर्ड ने स्थानीय डीईओ ऑफिस को सत्ता देने पर विद्यार्थियों और अभिभावकों को काफी राहत मिल गई है। अहमदाबाद सहित जिला स्तर पर अनियमितता कबूल करने के बाद सीसीटीवी फूटेज और विद्यार्थी के निवेदन के आधार पर उम्मीदवार परीक्षा के अभिभावक के सहयोग से जिला स्तर पर ही विद्यार्थी की सजा का निर्णय लिया जाएगा । जिसमें विद्यार्थी का निवेदन बोर्ड के फोर्मेट के अनुसार लिया जाएगा। गांधीनगर आने में मुक्ति लेने वाले विद्यार्थियों में अधिकतर कोपी में से लिखते हुए पकड़े गये, प्रश्नपत्र या उत्तरपुस्तिका की लेन-देन करते हुए मोबाइल या अन्य उपकरण के साथ पकड़े गये विद्यार्थी शामिल है उनकी कबूलात के आधार पर डीईओ ऑफिस में ही उनको सजा दे दिया जाएगा। इसके बाद संबंधित विद्यार्थी को राज्य की कमिटी के समक्ष उपस्थित नहीं होना पड़ेगा । गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मार्च-२०१९ में ली गई कक्षा-१२ सामान्य प्रवाह और साइंस की परीक्षा के दौरान अनियमितता करते पकड़े गये तथा सीसीटीवी और टेब्लेट के फूटेज में कोपी करते हुए पकड़े गये विद्यार्थियों का हियरिंग संबंधित डीईओ ऑफिस में स्थानीय स्तर पर शुरू किया गया । जबकि विद्यार्थी का केस संदिग्ध मालूम पड़ रहा हो और विद्यार्थी कबूल नहीं करे और स्थानीय समिति को संबंधित विद्यार्थी का केस मज बूत रूप से संदिग्ध मालूम होगा तो यह विद्यार्थी को इसके बाद राज्य कमिटी के समक्ष गांधीनगर उपस्थित होना पड़ेगा।

गांधीनगर लोकसभा सीट के उम्मीदवार अमित शाह ने कोडीनार में जनसभा की जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)